Press Release

TATA POWER-DDL

Monday, April 24, 2022 **For Immediate Release**

New Delhi

टाटा पावर-डीडीएल ने हरे-भरे भविष्य के मद्देनज़र किया प्रथम ऊर्जा अर्पण कॉन्क्लेव का आयोजन

- इस कॉन्क्लेव के माध्यम से सस्टेनेबल लाइफस्टाइल और जिम्मेदारी की भावना के साथ तथा किफायती तरीके से रहन-सहन को प्रोत्साहित किया गया
- कैम्पेन 'ऊर्जा अर्पण' का मकसद 10 मिलियन वृक्षों का बचाव करना है, याद रखें कि 2.73 लाख टन कार्बन डाइ ऑक्साइड को ऑक्सीजन में बदलने में 1 साल का समय लगता है। करीब 300 एमयू की खपत कम कर इस लक्ष्य को हासिल करने की योजना

नॉर्थ दिल्ली में 7 मिलियन से अधिक की आबादी को बिजली सप्लाई करने वाली अग्रणी कंपनी टाटा पावर-डीडीएल ने पहली बार **ऊर्जा अर्पण कॉन्क्लेव** का आयोजन 22 अप्रैल 2023 को पृथ्वी दिवस के मौके पर किया। इस कॉन्क्लेव का मकसद जिम्मेदारी की भावना के साथ और किफायती तरीके बिजली संरक्षण को प्रोत्साहित करना था ताकि ऊर्जा की बढ़ती खपत से जलवायु/पर्यावरण पर बढ़ रहे खतरों में कमी लायी जा सके। टाटा पावर-डीडीएल समाज में खासतौर से युवाओं और अन्य हितधारकों जैसे ग्लोबल एनजीओ, प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानाओं और अपने उपभोक्ताओं के साथ मिलकर उनके व्यवहार में बदलाव लाने के लिए कार्यरत है। इसमें TERI बतौर नॉलेज पार्टनर जुड़ी है।

ऊजा अर्पण मेले का आयोजन विभिन्न हितधारकों जिनमें पॉलिसी निर्माता, इंडस्ट्री लीडर्स और एनर्जी सैक्टर से जुड़े विशेषज्ञ शामिल हैं, को एकजुट करने के मकसद से किया गया ताकि अधिक स्वच्छ और सस्टनेबल एनर्जी आधारित भविष्य के निर्माण के मार्ग में पेश आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए समाधान तैयार किए जा सकें। ऊर्जा अर्पण करीब 19 लाख उपभोक्ताओं को इस बारे में जागरूक बनाने के मकसद से आयोजित किया गया

कि किस प्रकार 100 यूनिट बिजली की खपत बचाने से 79 किलोग्राम कार्बन डाइ ऑक्साइड को वातावरण में पहुंचने से रोका जा सके जो कि अन्यथा 3 बड़े वृक्षों का काम है। इस कैम्पेन के जरिए ऐसे 1 लाख जलवायु-सजग नागरिक तैयार किए जाएंगे जो दिल्ली-एनसीआर में पर्यावरण को बचाने की दिशा में योगदान कर सकें और इस मॉडल को अन्य स्थानों पर भी दोहराया जा सके।

ऊर्जा अर्पण मेले के पहले एडिशन में **टेरी (द एनर्जी एंड रिसोर्सेज़ इंस्टीट्यूट), ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) के अलावा आईआईटी दिल्ली, एफएमएस- दिल्ली, एसआरसीसी, आईएचएम, डी2ओ के विशेषज्ञों, एसएआरईपी, जीजीजीआई, फ्लोरेंस रैग्युलेटरी स्कूल, सीईईडब्ल्यू, एईईई, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च आदि ने हिस्सा लिया। साथ ही, भारत में यूरोपीयन कमीशन के प्रतिनिधिमंडल ने भी भाग लिया। पहले ऊर्जा अर्पण मेले में श्री अभय बकरे, डीजी, बीईई, डॉ विभा धवन, डीजी, टेरी समेत अन्य कई जाने-माने विशेषज्ञों** ने वैश्विक तथा राष्ट्रीय स्तरों पर होने वाले जलवायु परिवर्तनों तथा देश के सस्टेनेबल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए जरूरी रणनीति के बारे में विचार-विमर्श किया। इस प्रोग्राम की लाइव-स्ट्रीमिंग भी की गई तथा करीब 2500 प्रतिभागी ऑनलाइन प्लेटफार्म पर जुड़े।

पहली पैनल चर्चा के दौरान सस्टेनेबल एनर्जी संबंधी कार्य प्रथाओं के महत्व तथा सस्टेनेबिलिटी के लिए एनर्जी सैक्टर के योगदान पर बातचीत की गई। इसमें कई जाने माने विशेषज्ञों जैसे **श्री मिलिंग देवरे, सचिव, बीईई, डॉ अभिजित अभयंकर, डीन इंफ्रा, आईआईटी, दिल्ली** और श्री राकेश गोयल, पार्टी प्रमुख, एसएआरईपी तथा श्री गणेश श्रीनिवासन, सीईओ, टाटा पावर-डीडीएल ने हिस्सा लिया।

दूसरे सत्र में, सस्टेनेबिलिटी के लिए युवाओं के योगदान पर विचार-विमर्श किया गया जिसमें सस्टेनेबिलिटी से जुड़े विशेषज्ञों जैसे भारत में यूरोपीयन यूनियन प्रतिनिधिमंडल की ओर से **श्री एडविन कोएकोक, एनर्जी एंड क्लाइमेट एक्शन** तथा श्री कमल कांत पंत, प्रधान एवं सचिव, इंस्टीट्यूट आफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम), पूसा, नई दिल्ली, श्री प्रशांत सहगल, प्रिंसीपल, आदर्श पब्लिक स्कूल, सुश्री स्वाति झज्ञ, हैड आफ प्रोग्राम्स, युनाइटेड वे ऑफ दिल्ली, **सुश्री प्राची, कूल द ग्लोब (यूथ इंफ्लूएंसर)** ने भाग लिया। विभिन्न स्कूलों तथा कॉलेजों के स्टूडेंट वॉलेंटियर्स भी इस अवसर पर उपस्थिति थे जिन्होंने पर्यावरण के संरक्षण का संकल्प लिया।

अपनी तरह की इस अनूठी पहल के बारे में, श्री गणेश श्रीनिवासन, सीईओ, टाटा पावर-डीडीएल ने कहा, *"ऊर्जा अर्पण पहल हमारी "सस्टेनेबल इज़ अटेनेबल" सोच के अनुरूप है जो कि पर्यावरण और समाज के कल्याण के लिए है। इंडस्ट्री में अपनी तरह की इस अनूठी पहल के जरिए, हम न सिर्फ विभिन्न हितधारकों और उपभोक्ताओं के स्तर पर जागरूकता बढ़ा रहे हैं बल्कि एक स्वच्छ एवं हरे-भरे भविष्य के निर्माण की दिशा में भी अपने प्रयासों को मजबूती दे रहे हैं। सस्टेनेबल लिविंग जीवन जीने का ऐसा तरीका है जिसमें लोग संसाधनों का इस्तेमाल करते हुए उसके संरक्षण पर ज़ोर देते हैं और साथ ही, अपने जीवन की गुणवत्ता में सुधार करते हुए इस बात का पूरा ध्यान रखते हैं कि ऐसा कोई कदम न उठाएं जिससे आने वाली पीढ़ियों को अपनी जरूरतों को पूरा करने में कठिनाई का सामना करना पड़े। इसके लिए, टाटा पावर-डीडीएल अक्षय ऊर्जा को अपनाने, ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने और अधिक दक्ष बिजली वितरण के तौर-तरीकों को प्रोत्साहित करने के लिए उपाय कर रही है।"*

कॉन्क्लेव में टाटा पावर-डीडीएल के उपभोक्ताओं के लिए एक बिहेवियरल डिमांड रिस्पॉन्स प्रोग्राम भी लॉन्च किया गया जिसकी मदद से उपभोक्ता पीक बिजली मांग के प्रबंधन में के साथ-साथ इलैक्ट्रिसिटी ग्रिड पर दबाव डाले बगैर इलैक्ट्रिकल नेटवर्क का समुचित प्रयोग सुनिश्चित करने में योगदान कर सकते हैं।

टाटा पावर-डीडीएल के प्रथम ऊर्जा अर्पण मेले ने अधिक हरे-भरे भविष्य के लिए विभिन्न हितधारकों के लिए परस्पर सहयोगी भावना से काम करने जरूरत पर ज़ोर दिया।

ऊर्जा अर्पण के बारे में:
टाटा पावर-डीडीएल की पहल ऊर्जा अर्पण का मकसद ऊर्जा दक्ष उत्पादों और सेवाओं के प्रयोग के जरिए बिजली का जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से उपयुक्त इस्तेमाल को प्रोत्साहन देना है। यह नागरिकों से अधिक हरे-भरे भविष्य के लिए सस्टेनेबल लाइफस्टाइल को अपनाने का आह्वान करता है। वेबसाइट: *www. urjaarpan.com*

टाटा पावर-डीडीएल के बारे में
टाटा पावर-डीडीएल राठ रीय राि◌ि◌ानी क्षेत्र हदल् ली सरकार और टाटा पावर का ज् वाइंट वैंचर है। कंपनी नॉथा हदल् ली में करीब 7 मममलयन की आबादी के मलए पावर सप् लाई करती है। टाटा पावर-डीडीएल बबिली ववतरण के क्षेत्र में सुि◌ारों के स् तर पर अग्रणी है और इसे उपभो् ता केंहित व् यवहारों के मलए ि◌ाना ि◌ाता है। तनीकरण के बाद से टाटा पावर-डीडीएल के ववतरण इलाकों में एटीएंडसी नुकसान में ररकॉडा कमी आयी है। और सभी

वहटाकल् स में एडवांस् ड टै् नोलॉिी अपनाकर बबिली ववतरण के पररदृवय में व् यापक बदलाव लया है। वतामान में एटीएंडसी नुकसान 6.8% है, जिसमें िुलाई 2002 में 53% के शुरुआती नुकसान से 86% तक की अप्रत् यामशत कमी आई है।

और जानकारी के लिए देखें www.tatapower-ddl.com

For further information please contact:

Corporate Communications:

Sonia Sarin (9910292599)

Madison PR:

Varun Bhardwaj (9599994592)